

## **VATSALYAM - GRANDPARENTS' DAY @ SBPS**

The morning of August 19, 2023 was filled with abundant showers of excitement and cheers, as the tiny tots of KG I and Nursery got the blessings from their dear grandparents on the occasion of Grandparents' Day 'Vatsalyam' 2023: towards sustainable development. Prof. Dr. Tapan Kumar Sandilya, Vice-Chancellor, Dr. Shyama Prasad Mukherjee University, Ranchi was invited to grace the occasion with his august presence as the Chief Guest of the day. Mrs. Vibha Singh, Founder Director, Mere Nanhe Kadam, Ranchi was the Guest of Honour for the event. Special guests from 'Apna Ghar' - an old age home in Prem Nagar, Ursuline Convent, Singh More, Latma Road, Hesag, Ranchi, were cordially invited to grace the occasion. The ceremony commenced with the lighting of the lamp by the dignitaries followed by a melodious welcome song. The little ones of KG-I and Nursery brightened the morning with their performances on the theme 'Sustainable Development Goals'. The tiny tots of KG-I A came up with a captivating dance 'Green Conservers' on SDG 15 'Life on land'. The students of KG-I B put their best foot forward and mesmerized the audience with their scintillating dance performance 'Rhythmic world' on the theme 'All life matters'. KG-I C rocked the stage with their performance 'Concordia' acting as the Earth's Saviours, trying to protect and preserve the environment. The munchkins of Nursery came up with their dance performance 'Blue Sapphires', wherein the toddlers presented the magical journey of the ocean world focusing on SDG 14 'Life below water'. Students also presented 'Krishna Leela' to enthrall the audience with their foot-tapping dance performance to celebrate the upcoming festival of Janmashtami. The grandparents were overwhelmed to see their grandchildren performing for them.

The Chief Guest Prof. Dr. Tapan Kumar Shandilya appreciated the school's effort to intertwine the modern and the ancient methodologies of teaching which enable the students to meet the educational as well as the skill demands of the present era. He held in high regard the values and ethics taught at SBPS. In addition, he shared the verdicts of great philosophers like Aristotle, Plato, Chanakya, Swami Vivekananda and Gandhiji to emphasise the significance of education and its impact on the holistic development of children.

School Head Personnel & Admin., Dr. Pradip Varma, appreciated the efforts of the students, parents and teachers for conducting this programme every year on such relevant themes.

Principal, Mrs. Paramjit Kaur, said that in order to connect the children to their roots, it is paramount that they should be connected to their grandparents. Grandparents deliver them the stories of great leaders which act as a source of inspiration to them. She added that such programmes are organised because it's an era of experiential learning where the aim is that the children learn to think creatively and critically and to achieve holistic learning.

## सरला बिरला पब्लिक स्कूल में ग्रैंड पैरेंट्स डे-वात्सल्यम

दिनांक 19 अगस्त, 2023 को सरला बिरला पब्लिक स्कूल के नर्सरी तथा केजी-1 के बच्चों ने ग्रैंड पैरेंट्स डे-वात्सल्यम मनाया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में दादा-दादी एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित हुए। सस्टेनेबल डेवलपमेंट पर आधारित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. डॉ. तपन कुमार भांडिल्य, कुलपति, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची की गरिमामयी उपस्थिति रही। श्रीमती विभा सिंह, संस्थापक निदेशक, मेरे नन्हे कदम, रांची इस कार्यक्रम की विंशति अतिथि थीं। इस अवसर पर हेसाग स्थित वृद्धाश्रम 'अपना घर', प्रेम नगर, उर्सुलाइन कॉन्वेंट, सिंह मोड़, लटमा रोड, हेसाग, रांची के विशेष अतिथियों को सादर आमंत्रित किया गया था। समारोह की शुरुआत गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई और उसके बाद स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। केजी-1 और नर्सरी के नन्हे-मुन्नों ने 'सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल' विषय पर आधारित अपने प्रदर्शन से माहौल को खुशनुमा बना दिया। केजी-1 ए के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने एसडीजी -15 'लाइफ ऑन लैंड' पर मनमोहक नृत्य 'ग्रीन कंजर्वर्स' पेश किया। केजी-1 बी के छात्रों ने 'ऑल लाइफ मैटर्स' विषय पर शानदार नृत्य 'रिदमिक वर्ल्ड' से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। केजी-1 सी ने पर्यावरण की रक्षा और संरक्षण की कोशिश करते हुए, पृथ्वी के रक्षक के रूप में अभिनय करते हुए अपने प्रदर्शन 'कॉनकॉर्डिया' के साथ मंच पर धूम मचा दी। नर्सरी के बच्चे अपने नृत्य प्रदर्शन 'ब्लू सफायर्स' के साथ आए, जिसमें बच्चों ने एसडीजी 14 'लाइफ बिलो वाटर' पर ध्यान केंद्रित करते हुए समुद्री दुनिया की जादुई यात्रा प्रस्तुत की। छात्रों ने अपने नृत्य प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया तथा 'कृष्ण लीला' प्रस्तुत की। इस कार्यक्रम ने जन्माष्टमी को मंच पर साकार कर दिया। दादा-दादी अपने पोते-पोतियों के आकर्षक कार्यक्रम देखकर अभिभूत हो गए।

मुख्य अतिथि प्रो. डॉ. तपन कुमार भांडिल्य ने शिक्षण की आधुनिक और प्राचीन पद्धतियों को आपस में जोड़ने के स्कूल के प्रयासों की सराहना की, जो छात्रों को वर्तमान युग की शैक्षिक और रोजगारोन्मुख मांगों को पूरा करने में सक्षम बनाता है। इसके अलावा उन्होंने अरस्तू, प्लेटो, चाणक्य, स्वामी विवेकानंद और गांधीजी जैसे महान दार्शनिकों के उदाहरण देकर कहा कि बच्चों के समग्र विकास में इनके विचारों का महत्वपूर्ण स्थान है।

विद्यालय के कार्मिक एवं प्रशासनिक प्रमुख डॉ. प्रदीप वर्मा ने ऐसे प्रासंगिक विषयों पर हर साल इस कार्यक्रम के संचालन के लिए छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की।

प्राचार्या श्रीमती परमजीत कौर ने कहा कि बच्चों को जड़ों से जोड़ने के लिए सबसे जरूरी है कि वे अपने दादा-दादी, नाना-नानी से जुड़े रहें। दादा-दादी उन्हें महान नेताओं की कहानियाँ सुनाते हैं जो उनके लिए प्रेरणा स्रोत का काम करती हैं। उन्होंने कहा कि यह समय एक्सपीरिएंसल लर्निंग का युग है और इस तरह के कार्यक्रम बच्चों को रचनात्मक रूप से सोचना सिखाते हैं जो उनके सर्वांगीण विकास में सहायक है।

















